भारतीय रेल कार्मिक सेवा, इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स और इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए प्राइड द्वारा आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम में माननीय लोक सभा अध्यक्ष जी का वक्तव्य

----

1. प्राइड द्वारा आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम में आप सभी रेलवे अधिकारियों का संसद भवन में हार्दिक स्वागत है। आप सभी देश की सबसे बड़ी कर्मचारियों की संस्था की ओर से लोकतंत्र के सबसे बड़े और पवित्र मंदिर संसद में आए हैं और प्राइड के माध्यम से आप सभी संसदीय प्रक्रियाओं और पद्धतियों से परिचित हुए होंगे।

2. प्राइड हमारे देश की विभिन्न सेवाओं के लिए नियमित रूप से ऐसे पाठ्यक्रम आयोजित करता रहता है। ऐसे पाठ्यक्रमों से संसदीय कार्यों और इसकी विभिन्न पद्धतियों और प्रक्रियाओं की जानकारी मिलती है।

3. सिविल सेवा अधिकारियों के रूप में, आप रेलवे जैसे महतवपूर्ण संस्थान से जुड़े हैं जो अखिल भारतीय प्रकृति वाली राष्ट्रीय सेवा है जिसमें आपके लिए जवाबदेही, जिम्मेदारी और पारदर्शिता से काम करना बहुत आवश्यक है।

4. रेलवे भारत की एकता और अखंडता को बढ़ाने वाला एक प्रमुख तंत्र है। चाहे उत्तर हो या दक्षिण, पूर्व हो या पश्चिम, सभी क्षेत्रों में विकास का दूसरा पर्याय है रेलवे एवं रेल सेवाओं का अधिक घना होना।

5. भारतीय रेलवे System में रेलवे की पटरियों की कुल लंबाई 67,415 किलोमीटर है। भारतीय रेलवे रोजाना 231 लाख यात्रियों को और 33 लाख टन माल ढोती है।

6. विदित हो कि भारतीय रेलवे के स्वामित्व में 12147 लोकोमोटिव, 74 हजार से अधिक यात्री कोच और लगभग 2 लाख 90 हजार वैगन हैं और 8702 यात्री ट्रेनों के साथ प्रतिदिन कुल 13,523 ट्रेनें चलती हैं।

7. भारतीय रेलवे में 300 रेलवे यार्ड, 2300 माल ढुलाई और 700 मरम्मत केंद्र हैं। यह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी रेलवे सेवा है। 12.27 लाख कर्मचारियों के साथ, भारतीय रेलवे दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है।

8. इतने लंबे रेल नेटवर्क के सुचारू संचालन, उसके आधुनिकीकरण एवं देश भर में फैली हुई अरबों की संपत्तियों का बेहतरीन प्रबंधन आपके हाथों में आएगा। इसलिए, आपको भविष्य में इन संपत्तियों के संरक्षण और बेहतरीन प्रबंधन के लिए दिन-रात तैयार रहना होगा।

9. इस प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन संसद के कार्यकरण तथा इसकी पद्धतियों और प्रक्रियाओं के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से किया गया है।

10. मुझे विश्वास है कि यह आप सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगा क्योंकि आप सभी को संसदीय व्यवस्था के अनुरूप कार्य करना होगा।

11. जैसाकि आप सभी जानते हैं कि लोकतंत्र में शासन के तीन अंग होते हैं। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। लोकतांत्रिक संसदीय शासन-व्यवस्था में विधायिका यानी संसद सर्वोच्च है और इस व्यवस्था में कार्यपालिका संसद के प्रति जवाबदेह होती है। इसलिए कार्यपालिका से जुड़े अधिकारियों को संसद के कार्यकरण और उसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए।

12. हमारे देश में विधायिका, जनता की आशाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप कानून बनाने का काम करती है, जबकि कार्यपालिका का काम उन कानूनों एवं नीतियों एवं कार्यक्रमों को Execute करना है।

13. जबकि न्यायपालिका कानूनों की समीक्षा एवं आम जनता के लिए सस्ता और सुलभ न्याय प्रदान करने के अतिरिक्त उन्हें न्यायिक संरक्षण भी प्रदान करती है।

14. आपके लिए यह जानना बहुत आवश्यक है कि सरकारी अधिकारी के रूप में आप पर देश के राजकोष के कुशल प्रबंधन की भी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में रेलवे ने सभी राज्यों को एक ही परिवहन नेटवर्क के माध्यम से आपस में जोड़कर भारत को एकता के सूत्र में बांधा है। भारतीय रेलवे ने देश के सभी क्षेत्रों के आर्थिक विकास और प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

15. भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास की गति के अनुरूप रेलवे भी राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहा है। आधुनिकीकरण और आर्थिक विकास के वास्तविक प्रेरक के रूप में भारतीय रेल प्रगति के पथ पर है । 167 वर्षों से भी अधिक समय से देश की सेवा कर रहा रेलवे हमारे देश की जीवनरेखा है और लाखों लोगों के लिए यात्रा का एक सुलभ और सस्ता साधन है।

16. आवश्यकता के समय और कठिन परिस्थितियों के दौरान रेलवे ने राष्ट्र को अपनी बहुमूल्य सेवाएं दी हैं। कोविड -19 वैश्विक महामारी के दौरान भी इसने ऑक्सीजन एक्सप्रेस के माध्यम से ऑक्सीजन भी पहुँचाया।

17. पहले भी रेलवे ने महाराष्ट्र के लातूर क्षेत्र में गंभीर रूप से सूखे की समस्या से ग्रस्त क्षेत्र में पानी पहुंचाने के साथ-साथ देश के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में रेलवे ने निरंतर खाद्यान्न पहुँचाने का काम भी किया है।

18. उसी प्रकार देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, रेलवे देश के विभिन्न हिस्सों में पेट्रोलियम और कोयला पहुंचाता है।

19. आप सभी को एक ऐसे संस्थान का हिस्सा होने पर गर्व होना चाहिए जो देश सेवा का एक महत्वपूर्ण साधन रहा है। आपके कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और आपको आगे बढ़कर आवश्यकता के अनुसार परिस्थितियों को समझते हुए सभी चुनौतियों को अवसर में बदलना है।

20. **इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बहुत तेज गति से विकास करने की प्रतिबद्धता के साथ सरकार प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत परिवहन के तीनों माध्यमों रेलवे, सड़क और हवाई मार्ग को एक साथ विकसित करने का नीतिगत निर्णय लिया गया है जिसके सफलतापूर्वक संचालन में आप सभी रेलवे के तकनीकी और गैर तकनीकी, दोनों क्षेत्र के अधिकारियों को और अधिक जिम्मेदार और कर्त्तव्यनिष्ठ बनना होगा। आपको अपने कर्त्तव्यों का सम्यक् निर्वहन करने के लिए पूरे मन प्राण से प्रतिबद्ध होना होगा।**

21. हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। हमारी संसद, संसदीय लोकतंत्र और देश को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। संसद ने अशिक्षा, लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण, प्रभावी विकेंद्रीकरण जैसे मुद्दों पर ध्यान देने तथा संघीय सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। हमारी संसद एक समावेशी समाज की स्थापना करने, विकास को बढ़ावा देने तथा समाज के विभिन्न वर्ग की पूर्ण क्षमता विकसित हो सके, इसके लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

22. विधायिका लोगों की इच्छाओं, आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतीक है। विगत वर्षों में हमने देखा है कि सरकारी कार्यकलापों में बहुत वृद्धि हुई है। इसी तरह से विधायिका और उसके सदस्यों की भूमिका और जिम्मेदारियों मे भी काफी वृद्धि हुई है।

23. इस कार्यक्रम के दौरान आपको ऐसे विभिन्न संसदीय साधनों के बारे में जानने का अवसर मिलेगा जिनके माध्यम से संसद अपना कार्य करती है और सदस्य, प्रतिनिधि के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं।

24. आपको प्रश्नों, बजटीय प्रक्रिया, राष्ट्रपति के अभिभाषण, प्रस्ताव से लेकर हमारे देश के लोक महत्व के अविलंबनीय मामलों को उठाने की प्रक्रिया आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त होगी। आप सबके लिए यह अनुभव बहुत उपयोगी और शिक्षाप्रद होगा।

25. संसदीय शासन प्रणाली में संसदीय समितियों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है । ये समितियां, संसद, कार्यपालिका और आम जनता के बीच एक संपर्क का कार्य करती हैं।

26. संसद अपना बहुत-सा कार्य समितियों के माध्यम से करती है वर्तमान में, विभागों से संबद्ध 24 संसदीय स्थायी समितियां हैं जो भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के कामकाज की समीक्षा करती हैं। इसके अलावा, वित्त समितियां और दूसरी संसदीय स्थायी समितियां भी हैं।

27. इन समितियों में विविध महत्वपूर्ण मामलों पर व्यापक चर्चा की जाती है, स्वतंत्र रूप से विचार व्यक्त किए जाते हैं तथा वे सरकार को अपनी सिफारिशें देती हैं। समिति को 'मिनी पार्लियामेंट' कहा जाना बिल्कुल सही है।

28. अधिकांश समितियों को ऐसे ज्ञापन प्राप्त होते हैं जिनमें सुझाव शामिल होते हैं, अध्ययन दौरे किए जाते हैं तथा मौखिक साक्ष्य लिए जाते हैं, जिनसे समितियों को किसी निष्कर्ष पर पहुंचने में सहायता मिलती है और इस प्रकार आम जनता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समिति की कार्यवाही से जुड़ी होती है। समिति कुछ मुद्दों पर आम सहमति बनाने में भी मदद करती है।

29. विशेष रूप से लोक लेखा समिति और प्राक्कलन समिति जैसी वित्तीय समितियां कार्यपालिका के वित्तीय लेन-देन की जांच करने तथा नीतियों की प्रभावकारिता में सुधार लाने तथा सुधारों के संबंध में सुझाव देने में काफी सहायक बन गई हैं।

30. इसी तरह, रेल संबंधी विभागों से संबद्ध स्थायी समिति रेल मंत्रालय से संबंधित विधेयकों की जांच करने, रेल मंत्रालय के वार्षिक प्रतिवेदनों पर विचार करने तथा समिति द्वारा चयन किए गए विषयों की जांच करने और उन पर प्रतिवेदन तैयार करने जैसे दूसरे महत्वपूर्ण कार्य करती है।

31. किसी भी कार्य के लिए योजना तैयार करने, योजना लागू करने एवं उसे समय पर पूर्ण करने से राजकोष के धन की बचत होती है और उस धन का उपयोग दूसरे कार्यों में जनहित के लिए किया जा सकता है। इसलिए, रेलवे के अधिकारी होने के नाते आपको यह भी देखना है कि कौन सी परियोजना Feasible है कि नहीं और यदि परियोजना सही है तो उस कार्य को अविलम्ब निष्पादित करना आवश्यक है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर करें।

32. रेलवे अधिकारी के रूप में आप सभी के सामने एक महान लक्ष्य है जिसे प्राप्त करने के लिए आपको महान परिश्रम करना होगा तथा मुझे विश्वास है कि आप ऐसा करने में समर्थ होंगे। निश्चय ही

परियोजनाओं को सही समय पर पूरा करने से न केवल धन की बचत होगी, बल्कि उस परियोजनाओं का लाभ सभी स्टेकहोल्डर को मिल सकेगा।

33. यह गर्व का विषय है कि प्राइड और रेलवे एक दशक से भी अधिक समय से एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं । वर्ष 2009 में जब 2-5 मार्च, 2009 के दौरान 'इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स के परिवीक्षाधीन अधिकारियों हेतु आयोजित किए गए परिबोधन कार्यक्रम में 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया था, तब से प्राइड द्वारा रेलवे के अधिकारियों के लिए इस तरह के 28 कार्यक्रमों का आयोजन किया जा चुका है। कुल मिलाकर, 995 प्रतिभागियों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया है ।

34. मेरे युवा साथियो, भविष्य में आपको अनेक स्तरों पर संसद सदस्यों और संसदीय समितियों के साथ संवाद के बहुत से अवसर मिलेंगे।

35. हमारी संसद के कामकाज की बेहतर समझ होने से आपको जनप्रतिनिधियों के सरोकारों और मुद्दों पर ध्यान देने और इस तरह से जनता के कल्याण हेतु प्रतिबद्ध सुशासन की स्थापना करने में काफी मदद मिलेगी ।

36. मुझे विश्वास है कि इस दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सत्रों के दौरान आपको अनुभवी और वरिष्ठ संसद सदस्यों के साथ संवाद करने का अवसर मिलेगा। इस दौरान संसद के वरिष्ठ अधिकारी भी अपने विचार और उपयोगी अनुभव साझा करेंगे जिनसे आपका विभिन्न बिन्दुओं पर स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा।

37. मुझे आशा है कि प्रशिक्षण के पश्चात निश्चय ही आपके skill, scale और speed में अभिवृद्धि होगी। इन्हीं शब्दों के साथ, मैं इस प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन करता हूं।

38. मैं आप सबको आपके भावी करियर में पूर्ण सफलता के लिए मंगलकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद ।